

काल चंदन की माला



COLLECTION OF VARIOUS
-- **HINDUISM SCRIPTURES**
-- **HINDU COMICS**
-- **AYURVEDA**
-- **MAGZINES**

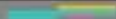
FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

www.dharma.com

www

www.dharma.com / 2020-2021

www.dharma.com
www.dharma.com
www.dharma.com

 **KAPWING**



COLLECTION OF VARIOUS
-- **HINDUISM SCRIPTURES**
-- **HINDU COMICS**
-- **AYURVEDA**
-- **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

విజయ వల్లభ

శ్రీ

భక్తవల్లభ / భక్తవల్లభ

భక్తవల్లభ మరియు
భక్తవల్లభ
భక్తవల్లభ

 **KAPWING**

मां दुर्गा के जाप के लिए लाल चन्दन की माला सर्वोत्तम माला मानी गयी है। इसके अलावा मंगल ग्रह की शान्ति के लिए भी लाल चन्दन की माला का प्रयोग किया जा सकता

है।

मां दुर्गा के जाप के लिए लाल चन्दन की माला सर्वोत्तम माला मानी गयी है। इसके अलावा मंगल ग्रह की शान्ति के लिए भी लाल चन्दन की माला का प्रयोग किया जा सकता है।

लाल चंदन की माला के लाभ

- लाल चन्दन की माला सकारात्मकता प्रदान करती है। संपत्ति और समृद्धि पाने के लिए लाल चन्दन की माला धारण करनी चाहिए।
- इस माला पर भगवती मां दुर्गा के मंत्रों का जाप करने से देवी शीघ्र प्रसन्न होती हैं और अपने भक्तों को धन और यश प्रदान करती हैं।
- अगर आपकी कुंडली में मंगल ग्रह कमजोर है और इस वजह से आपको जीवन में परेशानियां आ रही हैं तो आपको लाल चंदन की माला का प्रयोग करना चाहिए। इससे मंगल के दुष्प्रभाव को कम किया जा सकता है।
- लाल चंदन के प्रभाव मानसिक शांति मिलती है।

वैजयंती के बीजों की माला : वैजयंती फूलों का बहुत ही सौभाग्यशाली वृक्ष होता है। मान्यता है कि पुष्य नक्षत्र में वैजयंती के बीजों की माला धारण करना बहुत ही शुभ फलदायक है। इस माला को धारण करने के बाद ग्रह-नक्षत्रों का प्रभाव खत्म हो जाता है, खासकर शनि का दोष समाप्त हो जाता है।

इसको धारण करने से नई शक्ति तथा आत्मविश्वास में वृद्धि होती है। मानसिक शांति प्राप्त होती है जिससे व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में मन लगाकर कार्य करता है। इस माला को किसी भी सोमवार अथवा शुक्रवार को गंगाजल या शुद्ध ताजे जल से धोकर धारण करना चाहिए।



कमल के बीजों की माला : कमल के फूल का हिन्दू धर्म में बहुत महत्व है। कमल पुष्प के बीजों की माला को कमल गट्टे की माला कहा जाता है। इस माला को धारण करने वाला शत्रुओं पर विजयी होता है। मां काली की उपासना के लिए काली हल्दी अथवा नीलकमल की माला का प्रयोग करना चाहिए। माता लक्ष्मी की उपासना के लिए कमल गट्टे की माला शुभ मानी गई है।

इसको धारण करने से लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त होती है। अक्षय तृतीया, दीपावली, अक्षय नवमी के दिन इस माला से कनकधारा स्तोत्र का जप करने वाले को धनलाभ के अवसर मिलते रहते हैं।

तुलसी के बीजों की माला : तुलसी के बीजों की माला बहुत ही लाभदायक होती है। तुलसी मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है। श्यामा तुलसी और रामा तुलसी। श्यामा तुलसी अपने नाम के अनुसार ही श्याम वर्ण की होती है तथा रामा तुलसी हरित वर्ण की होती है। तुलसी और चंदन की माला विष्णु, राम और कृष्ण से संबंधित जपों की सिद्धि के लिए उपयोग में लाई जाती है। इसके लिए मंत्र 'ॐ विष्णवे नमः' का जप श्रेष्ठ माना गया है। मांसाहार आदि तामसिक वस्तुओं का सेवन करने वाले लोगों को तुलसी की माला धारण नहीं करनी चाहिए।

तुलसी के बीजों की माला के अन्य लाभ :
तुलसी की माला में विद्युत शक्ति होती है। इस माला को पहनने से यश, कीर्ति और सौभाग्य बढ़ता है। शालिग्राम पुराण में कहा गया है कि तुलसी की माला भोजन करते समय शरीर पर होने से अनेक यज्ञों का पुण्य मिलता है। जो भी कोई तुलसी की माला पहनकर नहाता है, उसे सारी नदियों में नहाने का पुण्य मिलता है। तुलसी की माला पहनने से बुखार, जुकाम, सिरदर्द, चमड़ी के रोगों में भी लाभ मिलता है। संक्रामक बीमारी और अकाल मौत भी नहीं होती, ऐसी धार्मिक मान्यता है। तुलसी माला पहनने से व्यक्ति की पाचन शक्ति, तेज बुखार, दिमाग की बीमारियों एवं वायु संबंधित अनेक रोगों में लाभ मिलता है।

श्यामा तुलसी : श्यामा तुलसी की माला धारण करने से विशेष रूप से मानसिक शांति प्राप्त होती है, ईश्वर के प्रति श्रद्धा-भक्ति बढ़ती है, मन में सकारात्मक भावना का विकास होता है, आध्यात्मिक उन्नति के साथ ही पारिवारिक तथा भौतिक उन्नति होती है। इस माला को शुभ वार, सोम, बुध, बृहस्पतिवार को गंगाजल से शुद्ध करके धारण करना चाहिए।

रामा तुलसी माला : इस माला को धारण करने से व्यक्ति के अंदर आत्मविश्वास में वृद्धि तथा सात्विक भावनाएं जागृत होती हैं। अपने कर्तव्यपालन के प्रति मदद मिलती है। इस माला को शुभ वार, सोम, गुरु, बुध को गंगाजल से शुद्ध करके धारण करना चाहिए।

लाल चंदन की माला : चंदन 2 प्रकार के पाए जाते हैं- रक्त एवं श्वेत। चंदन का गुण शीतल है। यदि आपको सर्दी की शिकायत रहती है तो इसे धारण न करें। मां दुर्गा की उपासना रक्त चंदन की माला से करना चाहिए। इससे मंगल ग्रह के दोष भी दूर होते हैं। तुलसी और चंदन की माला विष्णु, राम और कृष्ण से संबंधित जपों की सिद्धि के लिए उपयोग में लाई जाती है। इसके लिए मंत्र 'ॐ विष्णवै नमः' का जप श्रेष्ठ माना गया है।

चंदन की माला धारण करने से नौकरीपेशा में उन्नति तो होती ही है, सभी लोग ऐसे व्यक्ति से खुश रहते हैं और सभी उसके मित्र बने रहते हैं। ऐसे व्यक्ति को सभी ओर से सहयोग प्राप्त होता रहता है। चंदन कई रोगों को शांत करता है, जैसे तृषा, थकान, रक्तविकार, दस्त, सिरदर्द, वात पित्त, कफ, कृमि और वमन आदि।

सफेद चंदन की माला : सफेद चंदन की माला से महासरस्वती, महालक्ष्मी मंत्र, गायत्री मंत्र आदि का जप करना विशेष शुभ फलप्रद होता है। इसके अतिरिक्त इस माला को मानसिक शांति एवं लक्ष्मी प्राप्ति के लिए भी गले में धारण करने से लाभ होता है।

हल्दी की माला : इस माला को हरिद्रा की गांठ से निर्मित किया जाता है। इस माला का विशेष उपयोग पीतांबर देवी, बगलामुखी मंत्र के जप-अनुष्ठान में किया जाता है। हल्दी की माला विशेषकर धनु एवं मीन राशि वाले जातकों के लिए उपयोगी मानी गई है। हल्दी की माला भाग्य दोष का हरण करती है। हल्दी की माला धन एवं कामना पूर्ति और आरोग्यता के लिए श्रेष्ठ है। ऐसा माना जाता है कि पीलिया से पीड़ित व्यक्ति को हल्दी की माला पहनाने से पीलिया समाप्त हो जाता है।

यदि गुरु को बलवान बनाना है तो यह माला धारण करें। इसको धारण करने से गुरु ग्रह संबंधित सभी दोष नष्ट हो जाते हैं। भगवान गणेश की उपासना के लिए हल्दी और दूब की माला लाभकारी होती है और बृहस्पति के लिए हल्दी या जीया पोताज् की माला का प्रयोग करें।

शत्रु बाधा निवारण के लिए इस माला पर
बगलामुखी देवी के मंत्र का जाप किया जाता
है। बृहस्पति ग्रह के मंत्र का जाप करने से भी
शुभ फल प्राप्त होता है।

रुद्राक्ष की माला : यह माला किसी ज्योतिष से पूछकर ही पहनें। यह आपके रक्तचाप को कंट्रोल या अनकंट्रोल कर सकती है। आमतौर पर एक से लेकर चौदहमुखी रुद्राक्ष की माला बनाई जाती है। कहते हैं कि 26 दानों की माला सिर पर, 50 की गले में, 16 की बांहों में और 12 की माला मणिबंध में पहनने का विधान है। 108 दानों की माला पहनने से अश्वमेध यज्ञ का फल मिलता है। पद्म पुराण, शिव महापुराण अनुसार इसे पहनने वाले को शिवलोक मिलता है।

शिवपुराण में कहा गया है-

यथा च दृश्यते लोके रुद्राक्षः फलदः शुभः।
न तथा दृश्यन्ते अन्या च मालिका परमेश्वरि॥
अर्थात् : विश्व में रुद्राक्ष की माला की तरह
दूसरी कोई माला फल देने वाली और शुभ नहीं
है।

श्रीमद् देवी भागवत में लिखा है-

रुद्राक्ष धारणच्च श्रेष्ठ न किचदपि विद्यते।
अर्थात् : विश्व में रुद्राक्ष धारण से बढ़कर कोई
दूसरी चीज नहीं है। रुद्राक्ष की माला श्रद्धा से
पहनने वाले इंसान की आध्यात्मिक तरक्की
होती है।

रुद्राक्ष : यह सर्वकल्याणकारी, मंगल प्रदाता एवं
आयुष्यवर्द्धक है। पंचमुखी रुद्राक्ष मेष, धनु,
मीन, लग्न के जातकों के लिए अत्यंत उपयोगी
माना गया है। यह माला सामान्यतः सभी मंत्रों
के जप के लिए उपयोगी मानी गई है। रुद्राक्ष की
छोटे दानों की माला अधिक शुभ मानी जाती
है। जितने बड़े दानों की माला होती है, उतनी ही
वह सस्ती भी होती है।

मूंगे की माला : मूंगे के पत्थरों से बनाई गई इस माला से मंगल ग्रह की शांति होती है, विशेषकर मेष और वृश्चिक राशि के जातकों के लिए उपयोगी मानी गई है। मूंगा मंगल ग्रह का रत्न है अर्थात् मूंगा धारण करने से मंगल ग्रह से संबंधित सभी दोष दूर हो जाते हैं। मूंगा धारण करने से रक्त साफ होता है तथा रक्त से संबंधित सभी दोष दूर हो जाते हैं। मूंगा धारण करने से मान-स्वाभिमान में वृद्धि होती है एवं मूंगा धारण करने वाले पर भूत-प्रेत तथा जादू-टोने का असर नहीं होता। मूंगा धारण करने वाले की व्यापार या नौकरी में उन्नति होती है। मूंगे को सोने या तांबे में पहनना अच्छा माना जाता है।



COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with
by
Audemate / Screenshot

Extractor of
Indonesian
server!

 **KAPWING**




COLLECTION OF VARIOUS
-> **HINDUISM SCRIPTURES**
-> **HINDU COMICS**
-> **AYURVEDA**
-> **MAGZINES**

FIND ALL AT [HTTPS://DSC.GG/DHARMA](https://dsc.gg/dharma)

Made with
by
Audemate / Screenshot

Extractor of
Indonesian
server!

 **KAPWING**

नवरत्न की माला : ज्योतिष शास्त्र की भारतीय पद्धति में सूर्य, चन्द्र, मंगल, बुध, गुरु, शुक्र, शनि, राहु तथा केतु को ही मान्यता प्राप्त है। असली नवरत्न माला में अनेक गुण पाए जाते हैं। इसे धारण करने मात्र से अनेक सफलता एवं सिद्धियां प्राप्त होती हैं।